

बचपन से तुम्हें मैंने माना प्रभु भजन लिरिक्स



बचपन से तुम्हें मैंने माना प्रभु,
आज आकर भुलाना,
ये ठीक नहीं,
हूँ तेरा ही तो मैं,
तु मेरा है प्रभु,
आज आंखें चुराना,
ये ठीक नहीं,
बचपन से तुम्हे।

तर्ज - मैं तेरे इश्क में।

तु तो जाणें है दास कमजोर है,
तेरे द्वारे खड़ा कर जोड़ है,
फिर भी तु, करता क्यों,
ना दया की नज़र,
तेरे होते फिर मारा मारा प्रभु,
देख इतना रुलाना,
तो ठीक नहीं,
हूँ तेरा ही तो मैं,
तु मेरा है प्रभु,
आज आंखें चुराना,
ये ठीक नहीं,
बचपन से तुम्हे।

तेरी लीला है क्या मेरे सांवरा,
बैठा दर पे निहारे तेरा बावरा,
ये बता, तु कहां,
देखता है किधर,
दिल की मज़बूरिया,
है बताना प्रभु,
रोज़ करना बहाना,
ये ठीक नहीं,
हूँ तेरा ही तो मैं,
तु मेरा है प्रभु,
आज आंखें चुराना,
ये ठीक नहीं,
बचपन से तुम्हे।



तेरे हाथों में जीवन की डोर है,
ध्यान तेरा नहीं क्यों मेरी ओर है,
हूँ परेशान मैं, आजा तु एक बर,
दास की विनती,
ना भुलाना प्रभु,
ये ज़माना हसाना,
तो ठीक नहीं,
हूँ तेरा ही तो मैं,
तु मेरा है प्रभु,
आज आंखें चुराना,
ये ठीक नहीं,
बचपन से तुम्हे।

है पता के तु आये मेरे सांवरे,
दीन दुखियों को है तेरी छांव रे,
है भरोसा तेरा, साथ तेरा रहे,
अब तेरे बिन रहे,
'देवकी' ना प्रभु,
ना लगाया कलेजे,
तो ठीक नहीं,
हूँ तेरा ही तो मैं,
तु मेरा है प्रभु,
आज आंखें चुराना,
ये ठीक नहीं,
बचपन से तुम्हे।

बचपन से तुम्हें मैंने माना प्रभु,
आज आकर भुलाना,
ये ठीक नहीं,
हूँ तेरा ही तो मैं,
तु मेरा है प्रभु,
आज आंखें चुराना,
ये ठीक नहीं,
बचपन से तुम्हे।

– गायक एवं प्रेषक –
देवकीनन्दन जी पेड़वाल
(नेपाल)
+9779851149146



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>